

ਮੁਕਤ

509094

50910

50909 - (मन्तराज व्याख्या -)

50910 - (मुक्ति महानन्दकथा -)

ॐ श्रीसिवाय ॥ भः ॥ ॥ ॥ ॐ पद्मपद्मी न वडंग श्रीभदरम् मभु बि
एउ ॥ ॥ ॥ ॐ सुरम् पद्मभुम् मभु पद्मरिषिउ मा ॥ प्र ॥ मभु उ
ल ॥ मभु मभु प्रक मउ ॥ ॥ ॥ वृद्ध वम ॥ नउ एलिप्र एकु इ वृद्ध प
कु उठै गरभा ॥ देव देव भद देव भद भिदि प्रययक ॥ पक भिद भद
गप भद भउ उरिलय म ॥ नव कीउः भग भवेय क विह पर ग ॥ ॥
काः कित्र गगवः भिदु स विविण रग ॥ प्र ए भजे ॥ गक उरि रक
विदि ऐ भम ॥ प्र ए भजे ॥ गक उरि ॥ ए र ये गर उ सैव ए ॥ ॥ ॥
लिउः ॥ गुलिक एन प उले उ मवे पिदु ऐ गउ ॥ ह भिउ सुद य राष म

किं भूतं उभदिशु॥ मं प्र उ कं सु उं मे व भव सु उ र भु रि सु य भा॥ सु सुं किं उ
मं द क ल ए व मं उि प्र म य क भा॥ श्री कै र व उ व म॥ म प्र म प्र म द व द्रु
उ इ यं पु रि प सु उ॥ उ डि गु हं म द गु हं म रु कं मे व म न वे॥ नि ह
य द्वाः भ र भू च किं व र ए सु र ग लः॥ लि सु डि भ व म रि हं न वि म डि प
रं प द भा॥ र क भू पि भ य ए उं मे ह म पि ग ल सु र॥ ये र य र उ ठ व न
सु उं दं सु ठ सु ठ भा॥ उ र उ र भ य ए उं म हं म हं न मं म य॥ व द्रु व म॥
किं प्र ठ व द्रु र उ र उ इ म र भु रि ल य म॥ सु र व द्रु य यं उ र उ र क भू ग
भू म र मः॥ उ इ उ क व यि ए मि भं द र म कं रं प र भा॥ म च सु भ व म सु
क्रु दि भे प र भे म र क व र उ वि भे क भा॥ श्री कै र व म +

A close-up photograph of the number '24' written in a dark, possibly ink or paint, on a light-colored, textured surface. The '2' is on the left and the '4' is on the right, both appearing slightly worn and integrated into the surface texture.

मंदलमप्रेतिः इकदविमारा ॥ वृद्धेवमा ॥ एण्कभरणयमयेमत्र
कपडणारिः ॥ मटेमापडुभुडलउभइणनरः ॥ सिपिभभडि
इम्वटुकुवरा ॥ पारि ॥ वीदुसुजलमीलसुवणुयेतिउपवमा ॥
मटेनसिउकेमसुजकीपिछमिडुपिउः ॥ एमभनारि ॥ सुट्टुए
रप्रस्रियविठः ॥ पकमकभिमकसुदंभः परभदंभकः ॥ मेवण्ड
सुयेलयभहृदैकवउपिः ॥ मटैसैवद्विषककैभुत्रिधुः प्रय
रुः ॥ किभगुडभदेमरहृदैधंलैमयडिउ ॥ पउदुदिपराऊययष
गुडवपुः ॥ श्रीभदकवउवमा ॥ मरवृद्धटवजंमकृष्टभनंरभंम

यः॥ कषु कं मरुतः प्रैव भुलं भजे मभ मिः॥ अक्ष कं मरु विम्रुति मंदः॥
पुनर्मेदिः॥ अलु रियरुतः भवे भदपमे ॥ पमि ॥ नृहण ति रियं
अलं रियं अक्षं एव उ॥ रविमति पंगु इमं अक्ष लिङ्गं पंगु पंगु॥ उरमे
पु ॥ मंभगे भदप्यो भदमल ॥ उरुतः ति पतु उरुतः भदप्यो भदमल
पतु उरु कषि उरु इदं किं भदप्यो उरु भिच्छ मि ॥ श्रीवद्वेदय ॥ मेवमेव भदप्यो
वपुः भिच्छ एग उरु ॥ यम अक्षं एव रति कषु कं मरु ॥ मंभुतिः॥ कि
भजे भुलं भजे ॥ कषु कं मरुति रियः॥ भदप्यो मंभुतिः॥ किं भिच्छ पतु
मभोग ॥ मंभुतिः॥ उरुतः भदप्यो भदमल ॥ उरुतः भदप्यो भदमल

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

येउ॥ अहेमरु द्रवयं गं रे मं उ कं मर॥ अरु यति उ व उ इ मरु
महेरु मरु भा॥ के मि कु ट मयं मचं ए ग द्र व र ए द्र म भा॥ व च व व क
वा ए प्र म हे द्र ग क प ए क॥ इ द्र वि द्र म द्र म रं म र म म म मि क॥
म मि द्रिय म म यं उ रि उं इ हं म म मि उ॥ अ व उ उ क र म म प म
म प म प॥ म जिं प्र म ल य उ हे वि वि प र म रं म उ व॥ ले म म मि उं म
व उ यं गि रं व द व म उ व॥ रु म उ मि उ य उ उ ए म उं म उ व प र॥ म
मि क ल मि क रि द्र कं मि मि रं उ यं गि र॥ अ हे न द्र म पि ली ल
म द्र यति म द्र म द्र॥ उ डि म्म उ मि म क र म हे य यति यं गि र॥ पि

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पञ्चभजे नमो भिजुतः॥ रूणदंरु मभैरुदक मलेठमभकवः॥ वल्लय
तिउषमभदमदेनकुमिउः॥ प्रष्टपपमयंरुधुयेरमवेपिय
गिरः॥ नभछडीदमभयंभदमयवमीवठः॥ मद्रुमिहस्रवमवेनद
भुचोपिवद्विउः॥ नमामुगिरउमुपिमहंमहंनमंमयः॥ वृद्धकम
देवदेवएगवावमभिमंदरकंरु॥ कनटंरियउंनपकुहउंन
जिनिययः॥ श्रीठैरवउवय॥ भदवृद्धमदप्रष्टमदमंरुपम
यय॥ पछिउंदवयवृद्धमसिहमयेमम॥ नकुष्टपिवय
उंविष्कगोदादिकंगल्॥ भगोष्टमप्रकउंरुमगीकुकुस्रउंपर

म॥ प्र॥ क॥ ग॥ मि॥ ड॥ मु॥ भ॥ न॥ मं॥ प॥ म॥ ल॥ वा॥ म॥॥ भ॥ द॥ न॥ म॥ प॥ मं॥ मु॥ हं॥ म॥ व॥ ह॥ प॥
क॥ व॥ लि॥ त॥ भा॥॥ नि॥ मु॥ र॥ मं॥ नि॥ ग॥ क॥ मं॥ भ॥ व॥ हं॥ भ॥ व॥ उं॥ भ॥ प॥ म॥॥ भ॥ द॥ मं॥ प॥ मं॥
मि॥ हं॥ नि॥ ड॥ न॥ मं॥ नि॥ ग॥ ल॥ भा॥॥ नि॥ गु॥ रं॥ भ॥ नि॥ दि॥ तं॥ भ॥ वं॥ भ॥ भ॥ ल॥ प॥ म॥॥
भ॥ न॥ उं॥ न॥ उं॥ प॥ द॥ उं॥ म॥ सु॥ मं॥ भ॥ द॥ प॥ ह॥ भा॥॥ भ॥ व॥ व॥ ल॥ भ॥ यं॥ मि॥ हं॥ भ॥ व॥ व॥ ल॥ वि॥
व॥ लि॥ त॥ भा॥॥ नि॥ ग॥ ल॥ भं॥ नि॥ ग॥ ल॥ भं॥ प॥ म॥ भ॥ न॥ म॥ भ॥ य॥ म॥॥ भ॥ व॥ इ॥ व॥ मि॥ जि॥ उं॥
इ॥ इ॥ क॥ व॥ क॥ व॥ वि॥ लि॥ त॥ भा॥॥ जी॥ व॥ जी॥ व॥ उं॥ गं॥ इ॥ इ॥ हं॥ मी॥ पु॥ उं॥ ए॥ म॥॥ भ॥
भ॥ क॥ प्र॥ जी॥ क॥ मं॥ भ॥ व॥ इ॥ उं॥ उं॥ म॥ वि॥ म॥॥ प॥ हं॥ भ॥ व॥ म॥ नि॥ हं॥ प्र॥ द॥ ग॥ उं॥ भ॥
य॥ व॥॥ उं॥ य॥ डि॥ प्र॥ ल॥ य॥ जी॥ उं॥ उं॥ इ॥ जी॥ उं॥ नि॥ ग॥ ल॥ न॥ भा॥॥ क॥ द॥ क॥ ग॥ क॥ उं॥

भवद्विद्विवलिउभा॥ परंपरपरंमेवंभद्वनं प्रकीडिउभा॥
धमनोऽयंमनःप्रउंरैवरउलभा॥ रडिके~ मउके~ रभुलंनम
दुउलभा॥ भद्वनंनिरद्वनंभद्वनंमेवरविद्वउ॥ नएनंभनभउभन
गुः पधुउभुव॥ नवभेमद्विलमेवरैवंनएनभउ॥ अत्रिंभु
रंमुद्वंभवभिमूलयंपरभा॥ पूर्वनिहंमिउंभचंप्रएप्रएविवलिउं
पगभंपगभएभंपधुपंपभलयभा॥ भवविद्वभंभचभं
कभवलिउभा॥ निरउरभविद्विनंकनप्रउरभद्वलभा॥ केवलंक
लंमउंमुद्वभउंउनिद्वलभा॥ भद्वनभनैवंविद्विद्विगीउगीगरभा॥

५०
अमंगीरभविस्लेयं निरकराकललभा॥ अमुगीउं निगणरभस्लेहमभ
लंप्रवभा॥ अगृहभभलं निहभप्रवं निक्कल'उरभा॥ अमहं सुतिभे'ए
म'पुम'मुस्लेहभेवम॥ नैवम'स्रभाए'कंगंकुड'गंमैवभ'क'उम॥ नम'हं
गोकंमैवनवेसुवेपुकंउष॥ नरु'व'रु'व'कंमैवनलि'उ'नैवलि'एउ॥ न
भ'पु'न'ए'भ'पु'स्र'न'भ'ज'नैव'र'एउ॥ न'रु'उ'न'र'वि'ष्ट'स्र'न'र'उ'नैव'म'न'उ
न'म'प'मि'र'मु'मु'उ'उ'मु'न'म'उ'भ'ए'भ'व'म॥ न'मि'मै'वि'मि'म'स्रै'वन'भ'उ'नै'व
गो'व'ति॥ न'पै'भ'पे'म'उ'मु'मि'नै'व'व'उ'उ'षे'व'म॥ न'मि'ग'नै'व'प'म'न'र'द्र
न'म'गी'र'क'भ॥ न'ए'ग'ज'म'वे'भ'पु'न'भ'पु'नै'व'व'ह'उ॥ न'र'वि'क'वि'उ'उ'व'र'क

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ऊं नमः कल्पना ॥ नियम सनक उष्टः कोइ थी ० म मे वरा ॥ न प्र ए न म दे म
मुन भ्रं नं म न मे वरा ॥ उद्य ० पिडक दं न न ए पे नि य भे पि मा ॥ ए म् प म्
न उष्ट मुन वेष्ट लो कि क रिया ॥ न क भे न म व रू प भु मः मुष्टं क यं न
मा ॥ न भ य नै व भे द सन मे कें तं उ भे न मा ॥ न द क र न भ भे दं न र ग य ग
ए व मा ॥ सु प म् न दे र ले ठ स्रष्ट ए इ चं म नै स्र नै ॥ न म म ए न भि द्वि स्र नै
ध रं क ल्य प व मा ॥ न भे र म य न नै व द्रु क धुं उ षै व मा ॥ गु लिक ए प म् न भि
द्वि स्र न प उ ल नै पि म र मा ॥ भ र नै स्र ए न यै व वि द्वे प म् न प नं उ ष ॥ इ
रु उ ग्द वे मे वेष्ट क द् ० भे द न मा ॥ भु भु नं मे द् ए ल स्र व प क म् न

म० प०:

इकंयष'एल॥भभनिअप्रसंभमभवकुतभयंतषा॥भभरुषिअ
कडंयषअनिउषापगे॥अरुवरुवभंपत्रेहठवेगउमेउन॥उअन
मभनःनवनकिअिमपिमिउयेउ॥विचमेलेकगोश्रीमकंलेदसप
विगुद॥मभुगेधीनकउहकुठपितभठपितभा॥केउकेनभरंतउकु
भदनेमंभभमयेउ॥कीकुपे~भवइपदएउभदीउले॥कुनकुनभ
उप~येनकेनकुनभ॥अिअपदएनंउदकुइवषवनपिन॥कुकु
येउमापिमिपइमभमयेउ॥विमिकीएपउअमिनलीवंधाउच
पिअंग॥नअलेअएनंउदकुधनइएयेमपि॥यषप्रधपगिप्रपिपं

लिङ्गं भभच्चयेग॥ नक्षत्रं मित्रं जयं वृद्धं नैव वेमनभा॥ नक्षत्रं मि
त्रये वृद्धं उद्विष्टं जयं मय॥ मेद मित्रं नक्षत्रं वृद्धं नैव वेमनभा॥ नक्षत्रं मि
त्रिष्टं भभच्चयेग॥ नक्षत्रं वृद्धं नैव वेमनभा॥ प्रविष्टं विष्टं नक्षत्रं भभच्चयेग॥
नक्षत्रं पदं नैव वेमनभा॥ भवद्वं भद्वं मिष्टं नैव भभच्चयेग॥ भवद्वं भभच्चयेग॥
भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥
भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥
भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥
भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥
भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥ भभच्चयेग॥

ये भोपगपरमेवः भवद्यपीनिरस्तसः॥ उड्मिडंमभाणयनकिप्रि
मपिमिडयेज॥ ममिडुगुमभभ्रुडु उड्मनः प्रसयज॥ भदनमिडि
उड्मिडुगुगपगे॥ वविमिडिभदनभेदंभदनभयविभेदिउः॥
मिडुयडुगुगुडंभनः मुडंउवेवम॥ भवंपमएगंनवनकिप्रि
मपिमिडयेज॥ ठवठवअठवेनमेकंएयेगंमिडुम॥ यग्रए
मेयषमेडुगुलअठमभीदिमि॥ उड्मेनअडुपे॥ रनठवंनक
रयेज॥ अयंदउअयंकडुमभमभेडुभवम॥ रडुमिडुनकडुडुन
मठुडुमभभवा॥ भवमिडुपरिडुएडुमिडुमिडुमद्ययेज॥ प्रकि

अस्मिन्कंउंपरिस्तरकिस्मिपिमिउयेग॥प्रविष्टुष्टमलंभुनंभम
कृपंनिरभयभा॥भवेद्वियरतिंउङ्करकिस्मिपिमिउयेग॥मिउ
मिउविरिभुजंभनस्मिउविवलिउः॥भयेमुष्टभवेद्वियरकिस्मि
पिमिउयेग॥रुमिमिउरकउष्टभममिउउषेवमा॥कभमिउं
मिउष्टरकिस्मिपिमिउयेग॥मुष्टमिउनिभंयउः॥मुष्टमिउवि
वलिउः॥विमुष्टपमभयभुनकिस्मिपिमिउयेग॥प्रविष्टुष्टम
कउष्टभनस्मिउउषेवमा॥मुष्टमिउंउष्टमचंरकिस्मिपिमिउयेग
विष्टुष्टमिमिउभनस्मिवेद्वियलिमा॥उमयंरियउमुष्टरकि

प्रिमपिमितुयेग॥मितुयेकलयेस्त्रेवभनमंमिडगोगभा॥रधुभइय
ममितुनकिप्रिमपिमितुयेग॥प्रठवेठवरदिधुठठवेगतमेउभ
प्रठवेभभितुउदेभीभनभभुउववउउ॥भववभविनिभउभचमिउ
विवलिउ॥भउवडिधुउयेगीभभउरइभंसयः॥रमपिंदिदियेकुउ॥
उमरउकंमगन॥उमरयंभमलीरंराभभइविभभुउ॥उकुप्रीनवे
होगीरीउउउमरमगभ॥येनधुप्रभिमंल्लंभभुरमप्यभुगउ॥भुनमं
येनविभतिनमउउएभनग॥अमंभुइरविभउयेदियन्वमनग॥
कपिउंभवमभुधनविभतिकुमम॥उदुद्रमेवभकंनिरकंन

मुञ्ज॥ इलेत्तं प्रगितं येन वृद्धं दंष्ट्रं वरतु गम॥ न विद्मति न गम्यः प्रहृष्टं
मैवैत्तं भाषमा॥ आपः कथं कलकं भवतु हृष्टं गेभित्तमा॥ सुप्रपं मद्रु
पेत्तु पंभापः गेम भद्रे मरमा॥ भट्टं उद्दिष्टं मकं विद्मते एभिर्भाषत
प्रविद्मति न गम्यः कथं भवतु पंभापः॥ सुप्रपं मद्रु पंभापः सुप्रपं मद्रु
ममप्रहृष्टमा॥ न न वल् ममकीलं न न के एभिर्भाषत॥ सुप्रपं मद्रु पंभापः
कं गेत्तं मल मम कलमा॥ पीत्तु वल् मम कलमा॥ सुप्रपं मद्रु पंभापः
इलेत्तं कल्लेत्तं भवति न गम्यः॥ सुप्रपं मद्रु पंभापः सुप्रपं मद्रु पंभापः
मम॥ श्रीवृद्धे वम॥ कीन्म संतु मरं उद्दिष्टं किं तु पंभापः मम॥ किं भट्टं मम॥

कुतेमेवकुदिमेनिच्चयंप्र०॥ श्रीभदकैरवउवाम॥ अकमंप्रेमिउं
भचंनिगक्रंथगप्रम॥ यष'कमिउमु मिडेभचं'कमिउभीहूउं॥
उष'नम'सुउउडु'भनम'कम'र'वउम॥ यष'भ'म'उरेदभ'क'की'कु
उं'न'म'रु'उ॥ उष'न'म'सुउउडु'निगल'भं'प'रं'प'म'म॥ क'पु'व'दि'सि'ल
उ'ल'प'र'द'ग'नः'प'य'प'उ'म॥ भ'ष'ने'र'वि'र'य'उ'उ'ष'भ'प'र'प'ग'ह'उ॥
र'ग'उ'उ'मि'र'ने'इ'य'ष'नि'म'ल'उ'उ'च'उ॥ म'म'ण'उ'मि'र'म'गू'उ'ष'प'
सु'उ'नि'क'ल'म॥ वि'दि'उ'नि'क'ली'क'वे'उ'म'र'मः'प'र'य'उ॥ प'र'व'उ'म'
उ'म'र'ने'भ'म'उ'इ'वि'पि'इ'उ॥ अ'व'भ'ग'उ'ये'गी'चे'र'कि'पि'म'पि'पि

उये॥ मस्तुतुदमिनिजैधंगौउरुहृमिकदलः॥ भरेवहुतेवहु
 भवभृगउमेउभः॥ नवहुहुहुपुपुतेउवदिप्येवविहुते॥ एवम
 जिहुवेउमुमुहुहुपुभदीउले॥ कीहुतेउवनंभचभुहुंभहुंनभंम
 यः॥ एवमजिउयाएउमुनमपमनिम्वयः॥ यदुगं५५मुमवुदं
 मुहुचंकषयाभिउ॥ वद्वेवम॥ मुहुमभदल'प्रह्लयेनदेवगमेम
 भ॥ मुहुमहुतिनकीलमहुयेनउनिम्वयः॥ भवगीमभमहुउ
 इयउमुनकेरव॥ यमयागणिउप्रवंमभिमिपुनमेउभ॥ उहुचंभ
 दलंप्राउंभतेदंदिप्रगुहु॥ उषरुदिभदमिहुपुभेभकरदउर

श्री
 ७७

माभिउतेयेरहुयेपिरउरुमलकेत्रर॥ कवंभस्रडिदेनसभंभर
लवदभुगभा॥ एतुंभंभंमयंमेवकेययभभदेसग॥ श्रीकैरवउवम
भयउतेकपिउंमचंभंमयंजप्रतएकभा॥ भगद्वरठरंगुहंगुहंगुहं
पंगपमता॥ उषापिभसिउंशुडिः भवैयकरययवै॥ कषयभिस्रभ
केदेठजिप्रजैवणगयेउ॥ अद्वरजेनरैवद्वमउधुः चल्बहुय॥
धरभजंरविमडिगुऊकंएिमउंगपि॥ भयाविरदभंदेभंभंभरठय
कीरव॥ नउंभंसुडिभेष्टडिउकहकुलिउनरः॥ गुनधुडिउवेउप
रुमाभु॥ कदमन॥ एउएममदभालिठहुमेरगपिउंभुदभा

[illegible]

श्रीः
१०

एननभेव॥ उष्टुमभमचामिमं विठगीडपनिधम॥ अउपवेकं॥ सुअरसुक
 मःभभुउउति॥ नदिमिडुमं विनउइवकमप्रदकवः प्रषमं विनैरभ
 अकडेनकिमुठवमिहलं विभुरे॥ यइपिउंभकयगिणलकुमिष
 पिकइइ॥ मक्षमकिदिउंउषपिउंभइपणिकडिउिस्त्रियकउउद
 भीकरं॥ उंभमीरं एइइरअउइकवअ॥ उषमइइरगीगीऊपमः
 रंअउउदभयगीइउं॥ उंभइपणिकं॥ इअवअमिदेउः अउेणमुमी
 इअमपियडेवंउदिमुकमअअवयेगयिगिहमिडुउकअइरमरक
 वंविगमिउअकवंविदयेपणिकल्पनयेगमिउिमै॥ अउकवअपनउ

श्री
 ३